प्रोफेसर उमा शर्मा

अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग,

एन०ए०एस० (पी०जी०) कॉलेज, मेरठ

विशेषज्ञता का क्षेत्र : **साहित्य**

शैक्षिक योग्यता

- 1993- पी-एच०डी०, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ , विषय : श्रीमलधारि देवप्रभसूरिकृत "पाण्डवचरितम्" का समीक्षात्मक अध्ययन
- 1986- एम०ए० (हिन्दी), मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ,
- 1984- एम०ए० (संस्कृत), मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ
- 1981- बी०ए० संस्कृत आनर्स, मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ

अध्यापन-अनुभव

- **यू०जी० एवम् पी०जी०** : **27 वर्ष** **(** एन०ए०एस० (पी०जी०) कॉलेज, मेरठ में 20 अगस्त, 1996 से निरंतर कार्यरत**)**

शोध-निर्देशन:--

पी-एच०डी उपाधि धारक छात्र

- श्रीमती संतोष बंसल -- वक्रोक्ति सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में नैषधीयचरितम् का परिशीलन
- श्रीमती शालिनी शर्मा -- शिवकुमार शास्त्री विरचित "वीरकुमार सिंह चरितम्" एक अध्ययन
- श्रीमती इन्दु-- धर्मसूत्रों में प्रतिविम्बित समाज (एक अध्ययन)
- पूजा शर्मा-- अथर्ववेद के दार्शनिक सूक्तों का समीक्षात्मक अध्ययन
- श्रीमती प्रियंका शर्मा --अभिराज राजेन्द्र मिश्र प्रणीत वामनावतरण' महाकाव्य का समीक्षात्मक अध्ययन
- श्रीमती गायत्री पाण्डेय-धनञ्जय के दशरूपक में चित्रित नायक-नायिकाओं का समीक्षात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन
- श्रीमती निर्मला जोशी --आ० रामानन्द प्रणीत 'ब्रह्मसूत्र आनन्द भाष्य' का दार्शनिक अनुशीलन"
- श्रीमती आशा रानी -आचार्य श्री रमाकान्त उपाध्याय प्रणीत 'दयानन्द चरितम् ' महाकाव्य का समीक्षात्मक अध्ययन
- अनीता शर्मा -महाकवि रसिक बिहारी जोशी कृत 'सत्यम्' महाकाव्य का समीक्षात्मक अध्ययन

शोध प्रबंध विश्वविद्यालय में जमा करने वाले छात्र

- शिव पूजन --ध्वनिवादी आचार्यों तथा वक्रोक्तिजीवितकार आचार्य कुन्तक का तुलनात्मक अध्ययन
- अलका वर्मा - हरिसिंह शास्त्री विरचित गुरुगौरवीयम् महाकाव्य का समीक्षात्मक अध्ययन
- प्रमोद कुमार -रहस बिहारी विरचित श्रीवाल्मीकिरामीयम् महाकाव्य का समीक्षात्मक अध्ययन

शोधकार्यरत पंजीकृत छात्र

- विपुल शिव सागर --आचार्य अभिराज राजेन्द्र मिश्र के ‘‘वामनावतरणम्' महाकाव्य का काव्यशास्त्रीय विवेचन
- प्रियंका सिंह -"अभिराज राजेन्द्र मिश्र" प्रणीत प्रमुख कथा संग्रह (इक्षुगन्धा , रांगडा, पुनर्नवा और छिन्नमस्ता) एक सांस्कृतिक अनुशीलन
- लक्ष्मण सिंह --भार्गवीये महाकाव्ये व्याकरणानुप्रयोगसमीक्षणम्

प्रकाशित पुस्तकें / अध्याय

- : **श्रीमलधारि देवप्रभसूरिकृत 'पाण्डवचरितम् का समीक्षात्मक अध्ययन** --2009 -- संस्कृत ग्रन्थागार, 109, अग्रवाल प्लाजा, सेक्टर-14, रोहिणी, दिल्ली | 110085 (राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली से अनुदानित है)
- **'जामदग्न्यचरितम्'** काव्य का हिन्दी-अनुवाद एवं प्रकाशन ---2014 -- साहित्य भण्डार मेरठ
- **महिला उद्यमिता समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ** Chapter in “Women Entrepreneur Problems and Prospects”-Sahitya Sansthan, E-10/660 Uttaranchal Colony , Loni Border, GZB-201102

प्रकाशित शोध-पत्रों का विवरण

- **2023- गुरुगौरवीयम् महाकाव्य में छंद योजना --** शब्दार्णव **Year 9 Vol. 17, Part-I**
- **2023- श्रीवाल्मीकिरामीयम् महाकाव्य के नायक राम --** शब्दार्णव **Year 9 Vol. 17, Part-I**
- **2023- प्रोफेसर हरिसिंह शास्त्री के साहित्यिक अवदान की भूमिका --** वेदाञ्जली वर्ष–10 अंक–19 भाग–1
- **2023- श्रीवाल्मीकिरामीयम् महाकाव्य में वर्णित धर्म --** वेदाञ्जली वर्ष–10 अंक–19 भाग–1
- **2022- संस्कृतवाङ्मये नारीवैशिष्ट्यविवेचनम् --** साहित्यामृतम् अंक 13
- **2022- संस्कृत काव्यशास्त्रीय परम्परा एवं काव्यलक्षण विवेचन --** शब्दार्णव **Year 8 Vol. 16, Part-I**
- **2022- प्रमुख काव्यशास्त्रीय आचार्यों के अनुसार काव्य भेद --** वेदाञ्जली वर्ष–9 अंक–18 भाग–4
- **2021- श्रीमद्भगवद्गीतायाम् वर्णितस्य भक्तियोगस्य स्वरूपं माहात्म्यञ्च** -- साहित्यामृतम् अंक 12
- **2021-श्रीरामचरिताब्धिरत्नमहाकाव्ये चतुर्दशानां रत्नानां समीक्षणम्** -- प्राचीसुधा वर्षम् 14 अंङ्क प्रथम
- **2021- उपनिषदों में सृष्ट्युत्पत्ति विद्या --** समसामयिक सृजन वर्ष–11 अंक–23
- **2021- आश्रम -व्यवस्था : श्रीमद्भागवत महापुराण के आलोक में--** ज्ञानशौर्यम् **Volume 4 Issue 5**
- **2021- मोक्ष का स्वरुप एवं जैन- दर्शन में उसकी मूल प्रवृत्तियॉ --**शोधशौर्यम् **Volume 4 Issue 3**
- **2021- धार्मिक शिक्षा का विश्व शान्ति में योगदान --**शब्दार्णव **Year 7 Vol. 13, Part-III**
- **2021- ताण्ड्य ब्राह्मण में अहीन याग--** शब्दार्णव **Year 7 Vol. 13, Part-II**
- **2021- सत्यम् काव्य में पारिवारिक व्यवस्था का महत्त्व --** वेदाञ्जली वर्ष–8 अंक–15 भाग–3
- **2021- श्रीवाल्मीकिरामीयम् में प्रतिपादित लोकतंत्रीय आदर्श -**शोधमीमांसा **Year-VIII: No. XXIX**
- **2021- जीवनमूल्यसंरक्षणे संस्कृतस्य भूमिका "विशिष्टे वैदिकसंदर्भे"-** प्राचीसुधा वर्षम् 13 अंङ्क द्वितीयः
- **2020- वैदिक कृषि पद्धति** - साहित्यामृतम् अंक 11
- **2020- स्वस्थ मानव जीवन हेतु यज्ञों की भूमिका—**अनन्ता **Volume 6 Issue 5**
- **2020- वेदविहितं यानविज्ञानचिन्तनम् -** प्राचीसुधा वर्षम् 12 ंङ्क द्वितीयः
- **2019- वेदों में सामाजिकता-** आभ्यन्तर अंक–12 भाग–02
- **2018- वैश्विक शान्ति की समस्या : वेदोक्त समाधान--** साहित्यामृतम् अंक 09
- **2018- महाकाव्यों में नारी उत्पीडन--**शोधशौर्यम् **Volume 1 Issue 4**
- **2018- ऐतरेय ब्राह्मण में सोमानयन का स्वरूप-** पावमानी भाग–त्रयस्त्रिंश : चतुर्थ खण्ड

- **2018- पुनर्जन्म एवं परलोक की अवधारणा :वाल्मीकिरामायण के परिप्रेक्ष्य में-**शोध वैचारिकी वर्ष–7 अंक–1
- **2018- छान्दोग्योपनिषद् में आदित्य** – पावमानी भाग–त्रयस्त्रिंश : प्रथम द्वितीय खण्ड
- **2017- ऋग्वेद में प्रतिबिम्बित वैयक्तिक नैतिकता- MUHA Vol. XXX, 2017**
- **2017- यजुर्वेद में निरूपित ईश्वर विषयक सिद्धान्त की सार्वभौमिकता -** साहित्यामृतम् अंक 08
- **2017- श्रीमद्भागवत में ब्रह्म तत्त्व -** शोध वैचारिकी वर्ष–6 अंक–3
- **2017- ऐतरेय आरण्यक में प्राण तत्त्व –** पावमानी भाग–द्वात्रिंश : प्रथम खण्ड
- **2016- " पर्यावरण चेतना " अथर्ववेदीय भाष्यों के परिप्रेक्ष्य में"—**अनन्ता **Volume 2 Issue 2**
- **2015- ऋग्वेद में वरुण –** पावमानी भाग–त्रिंश : प्रथम खण्ड
- **2014- वैदिक वाङ्मय में सरस्वती नदी का स्वरूप-** साहित्यामृतम् अंक 05
- **2013- वेदों में सौर ऊर्जा एवं उसके विविध उपयोग -** साहित्यामृतम् अंक 04
- **2011- ऋचाओं में निरूपित अग्नि -** साहित्यामृतम् अंक 02
- **2010- ऋग्वेद में इंद्र का स्वरूप, --** साहित्यामृतम् अंक 01

इससे पूर्व भी अनेक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं

<u>विभिन्न विचार गोष्ठियों में सहभागिता एवं प्रस्तुत शोधपत्र</u>

विभिन्न राष्ट्रीय / अन्तर्राष्ट्रीय 70 से अधिक विचार गोष्ठियों में सहभागिता की एवं 25 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किये गए

अन्य गतिविधियाँ

विषय विशेषज्ञ

चौ० चरणसिंह विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवक्ता पद पर चयन / नियुक्ति करने हेतु विषय विशेषज्ञ रही एवम् वर्ष 2017 में सम्पूर्णानन्द संस्कृत वाराणसी से सम्बद्ध गुरुकुल महाविद्यालय ततारपुर में प्रवक्ता/आचार्य (साहित्य) पद पर चयन/नियुक्ति करने हेतु विषय विशेषज्ञ रही।

समन्वयकत्व

चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्री पी-एच०डी० कोर्स-वर्क (संस्कृत) की सत्र 2017-18 से सत्र 2021-22 तक समन्वयक (Co-Ordinator) रही एवं सत्र 2014- 2015 से सत्र 2021-22 तक इसकी कक्षाओं में निरंतर व्याख्यान भी दिए तथा राष्ट्रीय संस्कृत-संस्थान द्वारा संचालित अनौपचारिक संस्कृत-शिक्षण केन्द्र की अनेक बार समन्वयक (को-आर्डिनेटर) रही।

पाठ्यक्रम-समिति की सदस्यता

चौ० चरणसिंह विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम-समिति (संस्कृत विषय) के सदस्य के रूप में कार्य किया।सत्र 2010-11 से लागू सेमेस्टर प्रणाली के पाठ्यक्रम-निर्माण में सक्रिय रूप से अपना योगदान दिया।

अतिरिक्त केन्द्राधीक्षकत्व

चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में अनेक बार अतिरिक्त केन्द्राधीक्षक (Additional Superintendent) / सहायक केन्द्राधीक्षक(Assistant Superintendent) के रूप में कार्य किया।

प्रश्न-पत्र-निर्माण एवम् परीक्षकत्व

चौ० चरणसिंह विश्वविद्यालय में निरंतर प्रश्न-पत्र-निर्माण एवम् मूल्यांकन कार्य किया तथा मौखिक परीक्षा हेतु आंतरिक एवं बाह्य परीक्षक भी रहीं ।

प्रवेश-समिति में सदस्यता एवम् संयोजकता

महाविद्यालय की प्रवेश-समितियों में अनेक बार सदस्य एवम् संयोजक के रूप में कार्य किया।

सम्पादकत्व

अनेक वर्षों तक कॉलेज-पत्रिका में संस्कृत-सम्पादक के रूप में कार्य किया।

निर्णायक मण्डल सदस्य

विभिन्न संस्थाओं द्वारा अनेकशः निर्णायक मण्डल में आमन्त्रित किया गया।